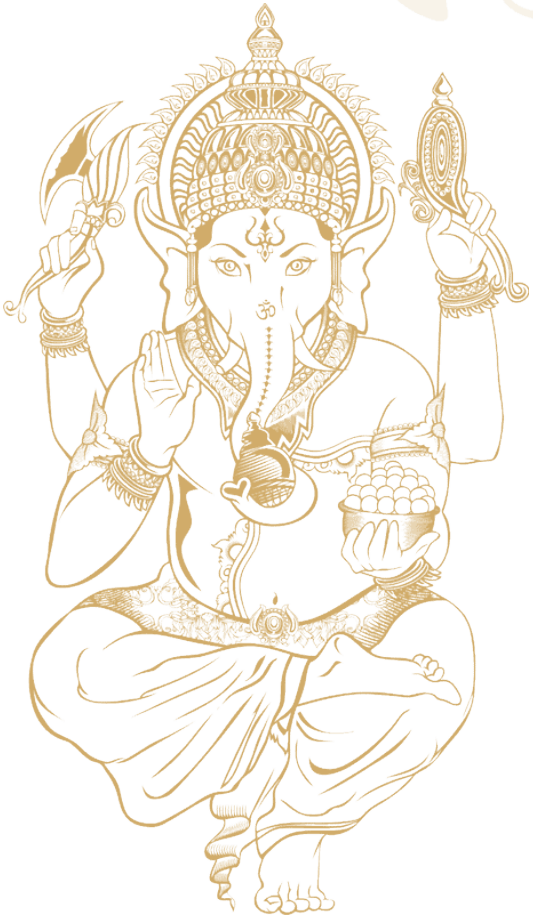

Rajni

05 Jun 1984

07:15 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121868704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/06/1984**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	34:40:18 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:44:28 घंटे
वेलान्तर	00:01:34 घंटे
साम्पातिक काल	11:41:09 घंटे
सूर्योदय	05:22:52 घंटे
सूर्यास्त	19:35:24 घंटे
दिनमान	14:12:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:25:44 वृष
लग्न के अंश	18:00:01 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:00:01	307:20:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			वृष	21:25:44	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:32:30	14:11:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल	व		तुला	19:26:08	00:11:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध			वृष	02:41:22	01:43:16	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	17:18:57	00:06:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र		अ	वृष	18:36:12	01:13:42	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि	व		तुला	17:09:59	00:03:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	12:55:05	00:00:37	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	12:55:05	00:00:37	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	17:46:50	00:02:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप	व		धनु	06:49:47	00:01:33	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	05:59:16	00:01:03	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	01:13:36	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:06

लग्न-चलित

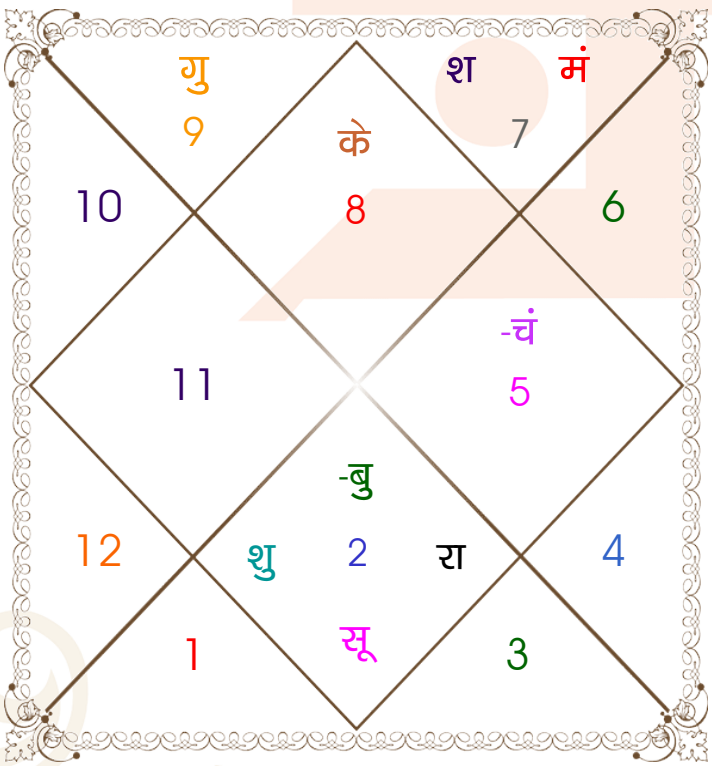

चन्द्र कुंडली

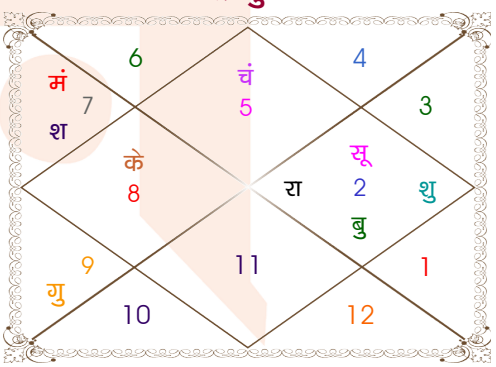

नवमांश कुंडली

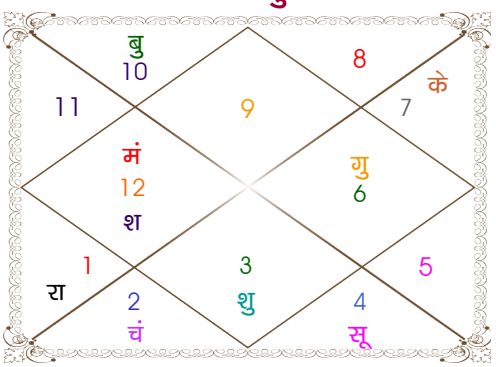

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/06/1984		30/12/1987		30/12/2007		29/12/2013		30/12/2023	
30/12/1987		30/12/2007		29/12/2013		30/12/2023		29/12/2030	
	00/00/0000	शुक्र	30/04/1991	सूर्य	17/04/2008	चंद्र	30/10/2014	मंगल	27/05/2024
	00/00/0000	सूर्य	29/04/1992	चंद्र	17/10/2008	मंगल	31/05/2015	राहु	14/06/2025
	00/00/0000	चंद्र	29/12/1993	मंगल	22/02/2009	राहु	28/11/2016	गुरु	21/05/2026
	00/00/0000	मंगल	28/02/1995	राहु	16/01/2010	गुरु	30/03/2018	शनि	30/06/2027
	05/06/1984	राहु	28/02/1998	गुरु	05/11/2010	शनि	30/10/2019	बुध	26/06/2028
राहु	17/12/1984	गुरु	29/10/2000	शनि	18/10/2011	बुध	30/03/2021	केतु	22/11/2028
गुरु	23/11/1985	शनि	30/12/2003	बुध	23/08/2012	केतु	29/10/2021	शुक्र	23/01/2030
शनि	01/01/1987	बुध	30/10/2006	केतु	29/12/2012	शुक्र	30/06/2023	सूर्य	30/05/2030
बुध	30/12/1987	केतु	30/12/2007	शुक्र	29/12/2013	सूर्य	30/12/2023	चंद्र	29/12/2030

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/12/2030		29/12/2048		29/12/2064		30/12/2083		30/12/2100	
29/12/2048		29/12/2064		30/12/2083		30/12/2100		00/00/0000	
राहु	11/09/2033	गुरु	16/02/2051	शनि	02/01/2068	बुध	27/05/2086	केतु	28/05/2101
गुरु	04/02/2036	शनि	29/08/2053	बुध	11/09/2070	केतु	25/05/2087	शुक्र	28/07/2102
शनि	11/12/2038	बुध	05/12/2055	केतु	21/10/2071	शुक्र	24/03/2090	सूर्य	03/12/2102
बुध	30/06/2041	केतु	10/11/2056	शुक्र	20/12/2074	सूर्य	29/01/2091	चंद्र	04/07/2103
केतु	18/07/2042	शुक्र	12/07/2059	सूर्य	02/12/2075	चंद्र	29/06/2092	मंगल	30/11/2103
शुक्र	18/07/2045	सूर्य	29/04/2060	चंद्र	03/07/2077	मंगल	26/06/2093	राहु	06/06/2104
सूर्य	12/06/2046	चंद्र	29/08/2061	मंगल	11/08/2078	राहु	14/01/2096		00/00/0000
चंद्र	11/12/2047	मंगल	05/08/2062	राहु	17/06/2081	गुरु	21/04/2098		00/00/0000
मंगल	29/12/2048	राहु	29/12/2064	गुरु	30/12/2083	शनि	30/12/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखती हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करती हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देती हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहता हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि की चालाक महिला हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेती हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा की ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकती हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगी। आप चाहती है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकती हैं। आप अपने जीवन संगी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाती हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करता है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाती हो तथा इसे दुखद अनुभव करती हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करती हो। आप अपनी जीवन संगी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करती रहेंगी। आप अपने उत्तम जीवन-संगी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस पुरुष का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकती हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।